

ROPEWAY BETWEEN CHERRAPUNJEE AND AMINGAON

*1324. **Shrimati Khongmen** : Will the Minister of Planning be pleased to state :

(a) whether it is a fact that a ropeway is proposed to be constructed from Cherrapunjee to Amingaon in Assam; and

(b) if so, when ?

The Deputy Minister of Planning (Shri S. N. Mishra) : (a) Yes, Sir.

(b) The proposal is still under consideration.

Shri K. P. Tripathi : May I know if any arrangement has been made with any foreign firm for machinery etc., and if so, whether it has been done through the Central Government ?

Shri S. N. Mishra : We have no information on that point. Rather, we have advised the State Government not to enter into any commitment before certain things are finalised.

Shri B. S. Murthy : How long has this proposal been under consideration and when will it be finalised ?

Shri S. N. Mishra : We have, after having considered the detailed proposal of the State Government in consultation with the Ministry of Transport and the Central Water and Power Commission, sent it back to the State Government, asking them to recast the proposal in the light of the comments made. We are awaiting their views now.

उत्तर प्रदेश के तिब्बत सीमावर्ती क्षेत्रों का विकास

*१३२५. **श्री भक्त बर्षान** : क्या योजना मंत्री १० अगस्त, १९५५ को पूछे गये तारांकित प्रश्न संख्या ६१८ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश के तिब्बत सीमावर्ती क्षेत्रों का विकास करने की योजनाओं को कार्यान्वित करने में अब तक क्या प्रगति हुई है, जिनके लिये २-१४ करोड़ रुपये की राशि स्विकृत की गई थी ;

(ख) क्या द्वितीय पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत उन क्षेत्रों का विकास करने के लिये कुछ और अनुदान स्विकार किये गये हैं तथा विचाराधीन हैं; और

(ग) यदि हां, तो उनका विवरण क्या है ?

योजना उपमंत्री (श्री एस० एन० मिश्र) :

(क) भारत-तिब्बत सीमावर्ती उत्तर प्रदेश के क्षेत्रों के विकास कार्यक्रम में कुटीरोद्योग, चिकित्सा तथा जन-स्वास्थ्य सूविधायें, शिक्षा, और पशुपालन की योजनायें सम्मिलित हैं। कुछ सड़कों को छोड़ कर, जहां प्रारम्भिक आयोजन और व्यय का अनुमान लगाने में समय लगने के कारण गति कुछ मन्द रही, अन्य योजनाओं की प्रगति संतोषजनक रही है। चार टेकनिकल (प्रविधिक) प्रशिक्षण केन्द्र, सात प्रशिक्षण एवं उत्पादन केन्द्र, सताईस कताई केन्द्र, आठ शोधालय और छः प्रसुति और शिशु कल्याण केन्द्र स्थापित किये जा चुके हैं। प्रायमरी स्कूल के कुछ आध्यापकों को भी शिक्षा दी गई है। इस क्षेत्र में पशुविकास के लिये दो पशु चिकित्सालय खोले गये हैं और पशु पालकों की एक बड़ी संख्या को शिक्षा दी गई है।

(ख) और (ग). इस के अलावा दूसरी सड़कों के लिये योजनायें विचाराधीन हैं इन के सारे व्योरे अभी निश्चित नहीं किये गये हैं।

श्री भक्त बर्षान : अभी माननीय मंत्री जी ने स्वीकार किया कि सड़कों के निर्माण में संतोषजनक प्रगति नहीं हो रही है। क्या मैं जान सकता हूँ कि इस सम्बन्ध में उत्तर प्रदेश सरकार का ध्यान आकर्षित किया जा रहा है कि खास कर नीति दरा और कैलास-मानसरोवर जाने वाले मार्गों तक की मरम्मत नहीं हो पायी है ? क्या इस मामले में शीघ्रता की जायेगी ?

श्री एस० एन० मिश्र : मैंने उसका कारण भी बताया था कि किस तरह उन सड़कों के निर्माण में देर हुई। इसका तो कोई सवाल हम लोगों के सामने नहीं है कि उसमें कितनी गति लायी जाये, या यह कि हम बराबर उत्तर प्रदेश सरकार का ध्यान इस तरफ आकृष्ट करते रहे।

श्री भक्त बर्षान : क्या गवर्नमेंट के ध्यान में यह बात आयी है कि हिमालय की दूसरी ओर तिब्बत में चीन की नई सरकार बहुत सी सड़के बना रही है और वहां विकास का कार्य तेजी से हो रहा है जिसका प्रभाव हमारी सीमावर्ती